इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शनिवार, 8 अगस्त 2026
वर्ष 18 अंक 337 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

तापमान - अधिकतम 34.4°C (+0.8) न्यूनतम 26.3°C(+0.5) सेंसेक्स 78,499.17 (-455.59) निफ्टी 24,570.65 (-065.35) सोना 1,50,040 चांदी 2,40,000 मुद्रा - डालर 95.20 दिरहम 25.92 रियाल 25.39

एरा लखनऊ मेडिकल कॉलेज ने महिलाओं को किया जागरूक

विश्व स्तनपान सप्ताह

- पहले छह माह तक मां का दूध शिशु के विकास के लिए बहुत आवश्यक : प्रो. मसूद
- मां का दूध नवजात के लिए सबसे सुरक्षित : प्रो. रूबी

लखनऊ (ब्यूरो)। विश्व स्तनपान सप्ताह (एक से सात अगस्त) के मौके पर एरा लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हास्पिटल (ईएलएमसीएच) के सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (आरएचटीसी) काकोरी के सहयोग से नौबस्ता गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर स्तनपान जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय में स्तनपान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और माताओं को शिशु के समुचित पोषण के प्रति प्रेरित करना था। कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक चिकित्सा विभाग की एचओडी प्रो. डॉ. रूबी खातून के निर्देशन तथा आरएचटीसी प्रभारी डॉ. शेखर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया। डॉ. शेखर श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विश्व स्तनपान सप्ताह के महत्व पर प्रकाश डाला और समुदाय स्तर पर इसके प्रचार-प्रसार की आवश्यकता बताई।

मुख्य अतिथि ईएलएमसीएच के प्राचार्य एवं सीएमएस प्रो. जमाल मसूद ने कहा कि जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरू करना, पहले छह माह तक केवल मां का दूध पिलाना तथा दो वर्ष या उससे अधिक समय तक पूरक आहार के साथ स्तनपान जारी रखना, शिशु के स्वस्थ विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए प्राकृतिक, संपूर्ण और सर्वोत्तम आहार है जो उसे पोषण, रोग प्रतिरोधक क्षमता और संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने शिशुओं को पशु का दूध न देने की भी सलाह दी। प्रो. डॉ. रूबी खातून ने बताया कि मां का दूध नवजात के लिए सबसे सुरक्षित और संतुलित पोषण है। इसमें मौजूद एंटीबॉडी बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, मस्तिष्क के विकास तथा कुपोषण से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने बताया कि स्तनपान से माताओं को भी प्रसव के बाद स्वास्थ्य लाभ, वजन नियंत्रण और प्राकृतिक रूप से जन्म अंतराल बनाए रखने में सहायता मिलती है। कार्यक्रम में चिकित्सकों, एमबीबीएस इंटर्न, जूनियर रेजिडेंट, स्वास्थ्यकर्मियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया। समापन अवसर पर डॉ. शेखर श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि एक से सात अगस्त तक विभिन्न स्वास्थ्य शिक्षा एवं जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से स्तनपान के महत्व का संदेश समुदाय तक पहुंचाया गया।